आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 4/अंक 2/जून 2024

श्रद्धांजलि

प्रसिद्ध कथाकार मालती जोशी जी को श्रद्धांजलि

हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार और पद्मश्री से सम्मानित मालती जोशी जी का 90 वर्ष की आयु में 15 मई 2024 को नई दिल्ली में निधन हो गया। मालती जोशी हिंदी और मराठी भाषा में अपने उत्कृष्ट सूजन के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हें 2018 में **पद्मश्री** से सम्मानित किया गया था। मालती जोशी का जन्म महाराष्ट्र के औरंगाबाद में हुआ था। उनका पालन-पोषण इंदौर में हुआ था। उन्होंने अपनी शिक्षा मालवा तथा इंदौर से प्राप्त की। अपने लेखन के शुरुआती दौर में मालती जोशी कविताएँ भी लिखती थीं और कॉलेज में वह **मालवा की मीरा** के नाम से मशहूर थीं। मालती जोशी के प्रमुख कहानी संग्रहों में पाषाण युग, मध्यांतर, समर्पण का सुख, मन न हुए दस बीस और कहानियों में, एक घर हो सपनों का, विश्वास गाथा, आखिरी शर्त, मोरी रंग दे चुनरिया, एक सार्थक दिन आदि शामिल हैं। दादी की घड़ी, जीने की राह, परीक्षा और पुरस्कार, स्नेह के स्वर, सच्चा सिंगार आदि बच्चों के कहानी संग्रह है। उपन्यासों में पटाक्षेप, सहचारिणी, शोभा यात्रा, राग विराग आदि प्रमुख हैं। साथ ही उन्होंने एक गीत संग्रह मेरा छोटा सा अपनापन भी लिखा। उन्होंने 'इस प्यार को क्या नाम दूं? नाम से एक संस्मरणात्मक आत्मकथ्य भी लिखा गया । मालती जोशी के साहित्य का मराठी, उर्दू, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, मलयालम और कन्नड़ जैसी अन्य भारतीय भाषाओं में तथा रूसी, जापानी और अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषाओं में भी अनुवाद हुआ है। उनकी कई कहानियाँ रूपांतरित की गई जिन्हें दूरदर्शन द्वारा प्रसारित किया

गया। दूरदर्शन पर प्रसारित और जया बच्चन द्वारा निर्मित "सात फेरे, धारावाहिक मालती जोशी की कहानी पर आधारित था। उनकी कहानी गुलज़ार द्वारा निर्मित टेलीविजन धारावाहिक 'किरदार' में भी दिखाई गई। मालती जोशी ने नई दिल्ली में अपने सुपुत्र और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव श्री सच्चिदानंद जोशी जी के निवास पर अंतिम साँस ली। मालती जोशी को आखर परिवार की ओर से शब्द श्रद्धांजलि।।

'आखर' परिवार

****